स्नातक प्रतिष्ठा (मैथिली) प्रथम खंड
प्रथम पत्र

– डॉ0सुधीर कुमार सुमन
(मैथिली विभाग)
पूर्णियाँ कॉलेज,पूर्णियाँ

कविता संग्रह,

मैथिली अकादमी पटना

सम्पादक –

प्रो0 श्री आनन्द मिश्र,

श्री आरसी प्रसाद सिंह,

श्री चन्द्रनाथ मिश्र अमर

कवीश्वर चन्दा झा

पद शीर्षक– तिरहुति–प्रशंसा (२)

जानकी जन्मभूमि नाम तिरहुति।
अनेक दर्शनज्ञ विज्ञ धर्म्मस विभूति।।
विवेक आत्म–तत्त्व–निष्ठ योग योग्यज जूति।
विधर्म्मकें हटाउ आब की रहैछ सूति।।

- कवि कहैत छथि जे देवी जानकीक जन्मभूमिक नाम तिरहुति अछि।

एहि ठाम कतेको दार्शनिक आ धर्मशास्त्रक ज्ञाता आदि रत्न निवास करैत छथि।।

- कवि आह्यवान करैत छथि जे हे मिथिलावासी परम विवेकी, आत्मतत्वनिष्ठ आ योग–साधनाक मूर्ति छी । तें आबो अहा सभ सजग भऽ कऽ धरतीस विधर्मकें नास करू।।

- पश्चिम दिस गण्डकी नदीक पवित्र जल बहैत अछि।

दक्षिण दिस देवाधिदेव महादेवक माथ पर विराजित रहएवाली पवित्र गंगा बहैत छथि।।

- मिथिलाक पूब दिस कौशिकीक निवास अछि।
- कवीश्वर चन्दा झा अपन सुन्दर गीतक माध्यमसँ एहि तथ्यकें प्रकाशित आ प्रमाणित कएने छथि।।

- श्री गणेश आ देवी सरस्वतीक कृपास एतय धेय रूपी महान शक्ति विराजमान अछि।।
- एकर वयसक प्रमाण थिक जे एहि मिथिलाक शरीर अर्थात अस्तित्व सात हजार वर्षस विद्यमान अछि।।
- अतिचेतन बालक लोकनिक अनुरोध पर मिथिला देशक यश आ कीर्तिक गीतक रचना कएलहुँ।
- एहि तरहें एहि गीतक माध्यमसँ कवीश्वर मिथिलाक गौरव गान कएने छथिं

धन्यवाद